

## ्आकृतस्य (अपोत्तरः) का कार्यातान्, यसद्वीमा वसत् एवं शोषा कर और अत्यक्ष श्रुक्तः। THE THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL ONE A EXCISE,



## ਫ਼ਰਿਸੀਕ ਜ਼ਸ਼, ਕੀ ਵਟ ਦੀ ਬਕਵਾਂ ਮੋੜਵੀ ਮਾਵਜਾ, GST Bharan. तेता क्येनी विंग जेब्द्र जातकर Cause Ring Renda

<u> 0 a#1: (Turibe: - 56) 911</u>

TERS 95 CINC. (0241) 124-4063/3443147 Famili (empjesis rejkos () gniadarini

राज्ञस्यहं हाना ए. हो। द्वारा ⊱

) जिल / प्राप्तन संख्या /

Append 7 File No. 1/2/2011/8/2019/39/19/2017 મુખ લોકો હોય

J.LO. Sc.

457AC7Resi/BVICTER/2016-11

i2न क ≛

Date 22.02.2017

Billiat at Gall Right (Court CheSpppial Note:

# DHV-EXCUS-000-APP-019-1 (1-020-2018-19

आदेश का दिशक अ Date of Owner.

1004.2018

जा<sup>हर</sup> करते की अधिकार ctate on issues

10.04.2016

Lorsoft by Shrift P. A. Varane, Commissioner, CGST & Courtes Explicit, Ruit@Gandicitions)

अभिराह के कोच्या प्रश्नक के किया है। इस हो | संस्थान के का अधिक के साथ है। अपने अपने साथ की साथ है। रप्रदेशक स्थापित विकास १६ ११ के १९६ भी असहस्या से अंगों के बसाई (अस्कृत), उद्देश तहतु एक सेता उद्देशक केन्द्रीए अबट १५क. २०२५ (संघोत्तर), को दिल्ल (प्रेमेनियन १९२५ मी धाराध्य केंद्रीय ज्लाह <del>श</del>ुक्ता परिकारिक एक्टर की भाग कर के इस्तापन दर्ज को कई अनोतों के समार्थ में आहेश गासिस अस्त के 2000 है। प्यांक म जिलाहे के क्या 🖰 मिनुनत किया गया है।

In province to Discrib ReuBeadon No. 25/2017 d.Es.JPT date to the residence with terrests Center to a Copyright of Macad 15.10.2017. Plain P. A. Macad. Conditionally Copyright (Copyright According to Copyright Acc

- 〒
- हान् आकृतर संकृति आकृतर जान्यको भएनक अध्यक्ष, वेन्द्रीन कर ए १५०० विकास, सन्नार १ जा १४० । भारतीयको भारतीय एका उपराजनिक एक मृत्यु ३०३ । १ ५०३० / Amenig both of thore may represed CDA sacced by Additional Joint Depoy (Associant Depoissoner Cambril Court : Service Cox, Rejud (Jernega) (Geralinden) (Discussor) ।
  - अमेजकरों के <mark>परिवर्ष</mark> का नाम का नम् (Nollie & Abbersa of Jor**Appellants & R**. soundent ).
  - i. M/s Hishochhai A. Patel Prop. Of Shree Arishus Coterpress, 1994, Shappers Fornt, Formal Chows, Waghawadi Road Bhavuagur
  - 2. Eliti Victori Elici Americhiblesi Patril, Plut Vo. 1672, Forenc Maga City. Opposite. Pictora Pack, Bharnagar- 364 002
  - ुर सारोभाजपीतः । क्षितं कोई क्षितं कि नहित्वेतः तसेने में उपस्कृत प्रतिकास र प्रांधिकरण के १९५९। अमीर एक्ट पर मन्तर है। असर सम्बद्धाः
  - and parties aggregate by this Dicter in Apoles, may be an approint to the appropriate survivor and other following may
- ਸੀਜ਼ਾ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ..ਹੀਕ ਤੁਸਾਰ ਗੁਲਾ ਹੋਣ ਸਭਾਵ, ਭਾਵੇਜਣ ਸ਼ਹਾਣਾਵਿਸ਼ਤ ਦੇ ਸੰਸ ਪਾਸਕ ਕੈਂਟਰਿੰਧ ਪਾਸ਼ਤ ਸਾਹਿਸ ਭਾਵੇਗੀ ਜੋ ਰਾਸ਼ਤ ਦੀ ਵਾਸ਼ ਭਾਵਾ ਜੇ ਗੁੰਸੀਆਂ ਸਮੇਂ ਇਹ ਹਾਈ ਗਿਆ, 1964 ਦੀ ਇਹ 26 ਦੇ ਤੁਸਿੱਤਿ ਜਿ ਸੀਜ਼ਿੰਕਿਤ ਗਾਰੂ ਸੀ ਦਾ ਸਮੇਂ ਹੈ । Apped to Guerra, Sector & Service Landone ਹੁਣ Petrons number Section ਸਮੇਂ ਹੈ ਦੇ ਦਿਸ਼ਤ / Dinks Section \$6 ਅੰਦੇਸ਼ Bourse, Apr. 1991 en appeal lieute. 54
- ्रोहित्य प्रत्यक्रम से एक्क्किन पृथि कामर भीम प्रमुक्त वैद्याच्या समाज सुमा एवं सेट्रेनिस अफेरीन म्यूर विकास की प्रश्रेष किन्न देखा करोता के स्वाप्त के पित्रा कई दिल्ली, की की सम्बद्धित के The grand period of Communication of Service (as Appella of tilling at 1 Word Block No. 2. R.K. Foram, Nov Exillate till Explain Golden to describe the wholese liı
- हारोक्त (दिन्छन् १)) से हराए कर प्रणीत के भाग**त धन सभी** आति की गांधानन नेबीन प्रणाद भूतन हों. संज्ञात प्रणादेश प्रणादिनकण (कि.संदर्भ की पहिन्म क्षेत्रिक प्रीतिक) , द्वितीय निर्मात क्<sub>र</sub>नार्थ के जी भागा संदर्भवादान अवन्यक को नी तस्ती (दिस्स) Τij

To the W. a. region. Ligarch of Cuctoos, "Ordise". Sermos for Approlate from med 100 Sfort) at. W. Coom, long and the two... Appress religible to Service in Proceeding People of an ex-mentioned in partie 1(4) a large

tiiit

ਹੁਸਤ ਕਿ ਮਿਸ਼ਸ ਵਿੱਚ ਸਾਲ ਦੇ ਸ਼ਾਹਰ ਦੇ ਹੁੰਦੀ ਜ਼ਿੰਦਿ ਤਹੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਤੁਸੰਦੀਦ ਸੰਸ਼ਾਹੀਲਆ ਸੋ ਸੀ ਹਾਂ ਪੈ ਜ਼ਿੰਦਿਤ ਹੈ ਜ ਲਗਗ ਮੁਲੰਬ (ਸੀ ਮੀਲੇਸ਼) ਦੇ ਇੱਕ ਮੁਸੰਦੀ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਦਿਤ ਲਗਭ ਸ਼ਾਹਿਤੀ ਹੈ। ਸ਼ਹਿਰੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸੀ ਸ਼ਹਿਰੀ ਸ

The appeal wader goth persons (1) to decide 96 of the burnies for, \$004 to the absorbing state and the first in good regions in Lord 20 in an appeal was the confined at 14 in a first incompanies. The same of the confined was the processor of a convenient of the confined was the processor of a convenient of the confined was the processor of a convenient of the confined was the first of the formula of the confined was the confined was the confined was processor of the confined was the confined with the confined was the confined when the confined was the confined was the confined with the confined was the confined was the confined with the confined was the confined was the confined with the confined was the confined was the confined with the confined was the confined was the confined with the confined was the confined which the confined was the confined with the confined was the confi

िक करिनियान, 1995 की भारत 88 की उपन्यासकों (2) कहा (19) के मार्गाटन होने की करिन उपनेत, स्वास्त जनभगाती, 1991, के मोदम अद्भारणे शहरा, के नहत निर्मारित प्रपंत कर एको की का कोती। एवं कारे प्राप्त भारत्यत्, वेबलेच प्रत्यात् शुक्तक **शक्ता** अञ्चलत् ।अगीचा, बेन्सीक असारा सुचन कृतन पारित आदर को प्रतियों राज्य के अपने में एक पांच कार्यपत होते कर्षण, और अञ्चल कार्य कर्यन आयुक्त about a पुरुत, केन्द्रीय उत्पन्न राज्यको सा कर पर सामानिको । नहारातिनकोमा नही भाईता होती अहना रूप सोहरू हैना जाई आहेरी हैं। িবী হৈ নিজন নিজনে হৈছে পুঁলী। এ

The appeal to don't in exclose (i) and (value section 95 the Finance Act 100., shall be used in the State of Act 100.), shall be used in the State of Act prescribed antice State 9 (2) to 3 [25] to the State of State and all the Holling the Commonweal Control (Appeals) placed. Which shall be a state of the present copy or the order consequence (Appeals) placed. Which shall be a state of the present copy or the order consequence (Appeals) placed. Which shall be associated to the Appeals of Points (Appeals) and the Appeals of Indianal (Appeals).

Hit ोग २०७५, के हो। अभाद शुक्त के फ़ेरवर अनेवाद क्रिकेटन (सम्बद्ध के विकासी) के उपने अकरते. रत्यार विक्रम अभिनिया । 1944 जी गर्म (3574) के जो क्षेत्र, यो को किस्तुव क्रिकेटम् (1950 विक्रांत ३९ के अतर्वत क्यान के भी भी सानू के कहे हैं, इस अर्वत के बाँडे अपेटीट आर्थितत्व से अन्यत करती क्रमण करती. हुत्तरथेला तम साम के 15 किंक्सिन (१९१५), अस साम २० ६ मोना (६ ६५ ६, म. कम्प्रतः, जो केरला हो होता. है । किंद्र है जन सुरक्षात कि ॥ काण ने की निष्ट्रमा अस्त के पोर्ट्या, साम कि काम सूली ३०% स्वर्ण देश हैं। कराज्ञ सन्तर के अर्थिक - थी।

कार्यक्ष प्रत्येक भूकि एवं हेरलाई के अन्तर्वत १५०म निर्माण, रहुका ५ विमा आधित है।

- भारतीर में के जिल्हा ज़िल
- है-देद करा की साम है सहस्त रही HiiI
- रहार एक विमन को ने कियम प्रकानक देव रहता.

- तथनी यह कि इस क्या के राजधान केलांक (हम है) आदे जेवल 2014 के अक्टर में पूर किसी अधितीय प्रार्मिक्सों के प्रशास किंच पर्यन स्टब्बर अजी को अर्थाल का लागू हमी होती ह

Contain appeal to the mediterries the OSSIAT, under Social SIT of the contact tones. Any 1994 which is also made to possible to Service Tax under Social SIT of the tennes and tones. Any 1994 matter to state the tennes and tones are tone of a service to where the service to th

Under Conduit Excladand Service Toll, 100. Permandad service the Conduit Excladand Service Toll, 100. Permandad service the Conduit Conduit Excladance Conduits to Avail Conduit Service Conduits Conduit Conduit Conduits Conduits

- া, সাত্ৰ সকলৰ শী দুৰ্বাহাত নাইছন : Revision application to Gavegament of Indian ৪০ বাইছ কৰি দুৰ্বাহিন কৰিবলৈ কি নিৰ্দিষ্ট কৰিবলৈ কৰি উঠিছ কৰিব ছালে এইটিকন কৰিবলৈ কৰিবলৈ এই ইইটি কি দুৰ্বাহিন কৰিবলৈ এই এইটিল, এই আইলাই ক্টিকিল বিহ্না কৈইটিকন কৰিবলৈ এইটি ইমান মাধ্য সাক্ষাৰ্থন কৰিবলৈ এই কি শান্ত কৰিবলৈ এইটিকন এইটিক কি তিন্তা কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কিছিল ইমান মাধ্য সাক্ষাৰ্থনীয়ে বিশ্ব শ্ৰান প্ৰশ্ন প্ৰতিশ্ৰম কৰিবলৈ ইটিকন এইটিক কৰিবলৈ কৰিবলৈ কি দুৰ্বাহান কৰিবলৈ কৰিবলৈ কিছিল ইমান কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কিছিল কৰিবলৈ কৰ

- ेंग्रों । यदि अभाद काल का कुलामा जिल्लामिन शिक्ष के प्रकृत नेपाल का देखन को आला विकास किया का हो। त िम अभ्यानों होन्स अक्षीतमध्य का कियन (१९५० क्षाप्राची १५ Sept.2 of Shipping without payment of the

- ਪਰਮ ਪ੍ਰਸੰਧਾਨ ਜ਼ਾਵਿਰ ਕੇ ਲਾਮ ਜ਼ਿੰਦ ਸੰਗਿਛਿੰਗ ਜਿੰਘ ਜਿਹੜਾ, ਦੀ ਪਲਾਜ਼ਾਂਦ ਸੰਗਰਜ਼ੀ ਗਾਲੂਰ । ਕੋਈ ਗਾਰਗ ਭਾਰਤ ਹਾਰ ਗਾਣ ਦਾਸ਼ੀ ਮਾਂ ਖੋਲਨੇ ਆਪ ਨੂੰ ਨੀ ਰਚਨੇ 2005 ਦਾ ਸ਼ਾਵਰ ਵਿੱਚ ਜਗਦ ਹੀਏ ਗੱਲ ਨੇ ਰਚਮ ਪੰਜਾਬ ਦਾਸ਼ੀ ਦੇ ਸਾਹਤਾ ਨੇ ਜੇ ਬਣਾਡੇ (200 ਤੋਂ ਦਾ ਇਸ਼ਸ਼੍ਰ ਕਿੰਗ ਆਪ ਜ਼ਿੰਦ ਸ਼ਾਵਰ ਦਾਸ਼ੀ ਜ਼ਿੰਦ ਸ਼ਾਵਰ ਦਾ ਬਣਾਡੇ ਜ਼ਿੰਦ ਸ਼ਾਵਰ ਜ਼ਿੰਦ ਨੇ ਵਿੱਚ ਹੈ ਜਿੰਦ 2017 ਜ਼ਿੰਦ੍ਰ ਜਿੰਦ ਹਨ ਹਨ ਹਨ। ਜ਼ਿੰਦਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪ੍ਰਸ਼ਰ ਦੇਸ਼ਤ ਜ਼ਿੰਦ ਸ਼ਾਵਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਸ਼ਿੰਦਰ ਦੇਸ਼ਤ ਜ਼ਿੰਦਰ ਜ਼ਿੰਦਰ ਕੋਲ ਕਰਨ ਗਿੰਦਰ
- [19] नाहें कुछ आदेश के नहें हुन आहेशों का समयक्ष है हा पृथ्वेदः श्रीत के दिए पुरुष का भूतनान अपदेवन देश है किया जाना जाते है हुन राज के दुने हुए ही हैं। (श्रीत प्रदेश मध्ये के बच्चे के लिए जानाविन्न) अपीक्षेत्र बाबादिकरण प्रदेश अपीक्ष का प्रदेश देशकार को एक अधीदन किया जाना है । (100 moses) में देश mose राज्यक प्रदेश के mumbers of order on long of her both (100 moses) or gap, at the दुवरम्बदार महत्ववद्या कर (2015) कि प्रदेश के कि अधिकार may be reclaimed where a common decrease or the long to the property
- PD ਸ਼ਹਮਰੰਬ <sup>(1)</sup>ਰ ਸਮਾਸਕਸ ਤਨਕ ਹਾਲਿੰਕੇ ਸਾਹ 37% कੇ ਸਮਾਗਰੰਬ ਦੇ ਹਮਾਸਤ ਸ਼ਾਕ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਸਥਾਸ਼ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਸਿਰੇ ਸੁਰੇ 'ਜਨੇਉਂਦੇ 300 ਐਮਨੇ ਕਿ ਸਮਾਸਕਿਕ ਨੇਜ਼ਕ 12ਐਂਟ ਲੋਕੇ ਕੀ ਜਾਂ ਸਿਰੇ ਨੂੰ Unique only to application or OLEC ਕੁਝੇ ਉਰ 1995 ਸ਼ੁਕਟ ਦਿੰਦੇ 32% ਸਿਰੇ ਕਰਨਵਾ ਦੇ ਇਕ ਸ਼ਹਮਰੀਕਰੀਕਰ ਰਗਮਰਹਿੰਦੇ ਸੰਗ੍ਰੀ ਸ਼ਿਕਟ ਦੇ 35% ਸ਼ਹਮਰਿਕਤ ਜਿਸ ਵਿਗਗ ਜਿਹੜੇ ਨੇਵਰ, ਜਿਵਨੇਸ਼ ਕਲ ਬਲਾਗਰੀਕਰ
- ि सोमा भूरक, केन्द्रीय उत्तरक एको सेनकर जयोगीर नवान <sup>प्र</sup>कारण कार्य निर्मित निर्मान तो, 1952 ो प्राप्ति एक पता सर्वार्यमा स्वतरण वर्षे संस्थितात्त्व कार्य कार्य कार्य केर भी द्वारा प्राप्तिक केरवा जाता है। उ A booking is also maid to the open experience of some other relations of the some since, in the Customs I was and Service American Internal Proceeding Police, 1990
- ित के तो तो तीर प्रांधिक के को कि कि के कि करने में संबंधिक का प्रकार कि तो स्वीनन । प्राधिनी के ति । अमेरिको विश्वनीय का सद्धा कर के बेट कर देखा अस्ति हैं । ? Earlies statement there set and transfiguresses recommend to the part appeal to the author assents the thorite, the appealant manages to the Departmental velocity <u>appealant appeal</u>

#### ::ORDER# -IN-APPEAL:

The subject appeals have been preferred by San Kishor Amarsh bhai Pato. Proof etgriof Mrs. Shime Krishna Entreprises Blashagar, Piol No.102, Escon Mega-Sity, Upposite Michaila Park, Bhavragar – 364 002 and by Shit Micot Amarshithan Pater, Flo. No.102, Habar Maga City, Opposite Victoria Park, Elizarragor – 384 002. thereinafter referred to as "the appellant No.1&2 respectively"; against the Ordes-[r-Orginal] No.45/A/GRIJRA / RVR///03-17 dated 22,02,3017 (hereinalter referred) to as "the impugned order"; passed by the Assistant Commissioner Control Exclae: Ricral Division, Shavnanas (hereinaltes referred to as "the Adjudicating" authority"). They are like two co-noticees in the base blocked by Dirachters General. of Certifal Excita intelligence (hordination referred as DGCEI for Lievily), lagainst M/s. Mahadev Ship Breakers PVLLIC PIDENC 134, Ship Breaking York Sosiya, Dist. Bhaypage: (here natter referred as "the unit"). The unit is engaged in the process of abtaining goods and materials by preeking ships, boats and other floating structures. amount (v) to marritachine in terms of Note 9 of Section XV of the first Schedule to the Certifal Excise Fariff Aut, 1985 (he diretter retained to as "the CETA") and are registered with the Control Excise Department and are availing Convol prote under the provisions of Carwar Credit Rules, 2004 (nembratter referred to as the CCR,2004

The officers of DGCEI gathered arrinlelligence which indicated that some of 注. the ship brospong units of Alang / Sassya are engaged in large scale byesion of Central Excise ducy by way of carelestine removal of plates to the Roting Mills: -inversion of georis, understal ration of georia of cland that most of the efuresa (Hyper of illigit activities are carried out by the Ship Breakers with the support of same. prokers whese brovers obtain orders from different Rolling Mill splits and Figure lphau⊏ts end meny times, it spatch the material flacogh some Transporters without any Ceptral Expire invalues and without payment of outy. Sentanty, these broke si product orders from Europea Units and Registered Dealers etc. In supply of take Celevat involves without any physical supply of gends. Those brokers label up responsibility of payments from such respieut udite by way of various parts instrainents, and after making such office payments to the stop beakers. Help payabok equivalent cash amounts to such realpoint units after deduction of commission. Severa  $\operatorname{nr}_0 k(r)$  also obtain orders for  $\operatorname{pales}$  and scraps from  $\operatorname{Roj}(\operatorname{p}_0)$ Mills and tealers without invoices against each payments, it was also gettleded that the Shire Breakers and brokers are onsuring gard hangler of preparationship amounts forough vansus avgadias, shroffe etc. situated in and around Rhaynegar. The DGCEI conducted a thorough block and discreet vertication at the high  $\kappa_{\rm B}$ 

A Page 4 of 1

- 2.1. Accordingly, if was gathered that come of the brokers are the main executors. and facifiators of the aforesaid illicit transactions, who act as illegal conducts between the aforesaid shain of sits Breakers, Rolling Mille, Folloge units, Registered Dealers: Tradella, Transporters, Angacias, Shorf's etc. to ensure proper execution of the freed and thomay sld, abot are (abilities the alcressid assesses for large scale) evealars of excise duly. Considering the above tacks the InCOEI conducted as coordinated search operation at the premises of some of the major brokers at Bhavhagar. Several incriminating documents strustonishing the above little ligence. were recovered during the search operation. Therealler, another round of search operation was conducted which proved that several transporters wisces coolingals. were available on the record of recipien. In race units were take. Snamhas were also conducted at the premises of various Ship Rmaking IIn'ts grid some Rolling Mills. The transporters whose names appeared in specific cases were also ensured. Preliminary scrubitly of the documents resumed from the various pre-piece as a result. of the aforesaid sports operations, fully variously. The intelligence and therefore, the 1GCHI initiated a University investigation, malivarious expects (hyplying evasion of Excise duty as well transident evaluent of Central code etc. The intelligence ndicated that the appallant no 182, major Brokers of tree & steel at Bliavneyar, we el also involved in large seale (0xt), adM/668 of siding, obeding and facilitating the GMp. Breaking Units, Formace Units and Rolling Milla in Standestine removal of dutable goods and freeddoothy passing of Cerea; stedil without physical steppy of goods at: Therefore, a search operation was also conducted at the residence commutities promises of both the appallants in Which certain incriminating documents were  $\cdot$ recovered, which led to conclusion that Contrat rentac duty was everyed,
- 3. The shave observations and to issuance at the Show Cause Notice No.DGCEN/ZU/96-3/7/303-14 devid 21.05.2013 (in takef SCN) & configeration to SCN F No.V/15-17/ADJ/DGCEN/IQ/2016-14 cated 29.40 2015 processing recovery of C.Ex. duly amounting to Ro. 41.40,8004 (incer the proviso to Section 11A/1) of the Central Excise Act. 1944 (hereinafter referred to as the Act.) slong with interest sincer the provisors of Section 11AD(now Section 11AA) of the Act and massing penalty order the provisions of Section 11AD of the Act (pointible unit, And also proposing personal bonalties of Ra.14393/- each on the Appollants No. 13.2 under subtrace (1) & (2) of the Rule 23 of the Central Excise Rules, 2002 (hereins?e) referred to as 11th CERC). The said SCN was adjusticated by the adjusticating authority vide the impagmed order, in which only was confirmed along with Inferest and penalties including personal poneties as proposed in the SCN.

Agus of its

 Being suggresse with the impreparationder, the papetants No.182 have pretented the present appeals mainly on the Silbwing grounds:

## 1. The impagated order is non-epeaking and own-mason of

- 1.1 This apparants, at the bursel, submit that the Assistant Commesioner vide impugned proof. I seems, at all coalt with the pleas made in writen reply by the appoints before time. Not only has this, the judgments referred to each rehed over been completely ignored by the Assistant Commissioner while passing the impugned cidental ich is neversely by the appropriate of the complete process.
- If 2, The Assistant Crain that over the not recorded any finding control arguments raised before than during personal theory and have burstily and machine depicts.
- 1.3.1.no appellance, or the outset, addressing relief size to sweld repeation, the galaxy please media by them to their today to SCM filed before the Adjustating pullborty for the purpose of sojedice; or sellif the semie are specifically convessed netter.
- 3.4. To appellants, in view of the above, submittent the implicated order is liable.
  In the cuashed and set askin as owing flegal favaild, void a villoactin law.
- 2. The appellants are not liable for penalty under Section 20 of the Rules.

The appellants submit that penalty imposed on him under Rule 26(1) or the Rules, which is expressured below:

- 2.1.Rule 26. Penalty for parisin offences. (1) Any person who acquires passession of longs to any way concerned in transporting homeoung, coppsiting exempting, concesting, whiling or pendraving or inverty other manner decis with any excessor goods which he knows on has reason to believe are liable to confiscation under the Act or those hites, above as fable to extend to be expelly not exceeding the duty on each goods or less thousand rusees, whichever is greater
- 2.2.O croading of allower in a a parent transfer passe of the appellants are not covered under submule (1) of it as 20 as the population have out much with exclashic godds in any mannar whaleshad. They have only introduced the partitionary. The shallower for a parenty on any person under the above rule is that either the flag adjusted possession of any excessor godds with the knowledge problem that the goods are upus to confidential under Chartie Farige. Att or substance has been in any way commonwhile transporting, removing, adoption, knoping exceeding setting or probleming or has in any other manner that with any exceeding setting or probleming or has in any other manner that with any exceeding setting any probleming or has in any other manner possession of goods is a noispulable, a physical are, and an is each of the rule. The various ways of dealing with grades, specifically the tioned is the rule. The approach face other manner with the

<sup>2</sup> Page 1001 1:

adadpha of symplets greats and would, then , mean any other mode of physically dealing with the general. The position has been recognized in Godfrej Boyce & Mfg. Co. [2002 (140] E.L.R 161 [T]= 2002 (100) ECR 770 [Td.)] with has been followed in A.M. Kulkanti [2003 (56] RLT 673 (CEGAT-Murr.)]. The decision in Rem Neth Single [2003 (151] E.E.T 451 (Tri.-Del.) is also in the same after. Any person is be penalized under the above rule should also be shown to have been concentrated in physically realized under the above rule should also be shown to have been concentrated in physically realized to the commission under the Actificial He should have do to the eather's creek see. However, in the instantioned, the appellant has not acted with means real. Therefore, the appellant is not hable to a cenalty which is imposed under the impugnant enter.

- 5. The personal hearing in the matter was field on 27.02.2010. Shri Madhav Kumar Vadodaria. Advocate appeared on activit of the appeared. He reflected the grounds of sopeal and see fleu willen submission along with case laws interiais submitting as under:
  - I) On bahalf of puriciant we about the tight of dien, mede a request of 28,12,2016 for supply of Rober Upon Documents. The adjudicating authority has not supplied the milectupes show wite along with the SCN. It was not proper and egal. There were hage numbers of documents had been relied upon which work mainly in the form of recorded eletenests. The edjudicating authority has contravered the principles of Natural Busines thereby rendering the impugnosity decrease unlength.
  - Their of entities not recovered any soft copies at refeed again decuments along with SCN though he field requestratifier. On officers in these iniquies armaes could not make effective defence raphy. If the refer upon documents were abysical available for reforting the corrections as problemied to the respective persons which had been reject upon in the SCN, he would have defended the case strangly as the SCN had been fested upon in the SCN, he would have defended the case strangly as the SCN had been fested any an examplifier greating for model without officed in others.
  - (A) Williand prejudice to the above submission, we submit that Para 5.6.2 & 8.6.3 of the snow cause notice states that 8hh Vince Patel, older hedbored on each has written and maintained private records. Whereas in concluding Hara via. 10.5 at the show sause notice, it is exact that our client & 8h I Vince Patel brakers than that soon goods it is dearly evident from above that department is not sure whether our client was duly involved in the so-called candestone translation or pole Shri Minot Patel & not diev were involved. Ideally in the adjudication proceedings such operations or flows should have been sorted out or at least for the sake of justice the adjudication authority should have



which memodi or discussed these matters. However, to out unon surpose 3, shock, the adjustes, again raily should over discussible expect.

- (N) Marrily is fact that two bronners living to a same house with their parents would mean that they are conducting their pusiness together. Shri Vino I Patel and our client have clearly mero and and revealed their business activity and that finey do not it met ape poshous follow Nethan Flary Carde Nethan on the imagined order controver: this tast and therefore is proof to unpose penalty under Hule 25 of the General Broise Bules. 2007 (Herothatter reference to as filter Rolest). It has to be dearly spell out that they had played different roles independent of each other in absence of any such findings, at least even if a sear chart for the same of amengament had the gradual of value at Rei 1,39,50% were removed disposationly, our electionaries be penalized.
- (v) We fullier schaff that the only so called evidence for alleged degrees he immove is second change if no adjugicating authority has lauge to appropriate the 'was on expect. The rewallescences accountly EGCFI has not great people; the deposition/explanation given by our client as regards the entries in the clianos. Adjustishing authority has ignored the submission of the appoilant the invesanthias were estimate/survey of the goods lying at various plots of Ghip-Breaking Yard, Mang-Spaiva. It is not correct that the Adjudicating authority has powerforce) to enough the authorization but that can be done through as researced and speaking order. It is surprising that the adjudicating outhorny has considered merely rallying of some dates in charles with those in slorage distage as: curvá $\omega$ alion $^{\mu}$  How can trialching scioc artides in modificials a 20d from the series person can be considered as combined on? Moreover, the adjudicating authority. has taken to populate the submission of our client without any reason involted in is register, they are self-the end to problem will able to enter the bonding millions of reports. It had been categorically stated that our submission helder. That solutioning authority that only made in distriction. At a recovered from the residence of our client is nothing but details of upot totally known as Sauda and I same excisable goods riight have been dicared by the simplification of takens Involves
- (vi) it should be apprecised that the removal of goods from a factory notional physical movement involving validoes and offer entities. Neither only investigative, was rainled out with these setties not with any another to whom such as soled concestingly were removed goods sole. However, the adjusts adopted by all Par + 3.5.2 of the impropried reducingly that the tree cases of everyor and looking to the well undestrated modus operands it can be used medically and party evidence is sufficient chough? It is not understand from where this provide has taken from? Which provides of the Evidence Ag, provides to make such presidence?



(will) We builter support that penalty proposed on our class. To the Rule 28(ii) of the Rules which is reproduced thus:

Fight 26. Panally for certain offercest. (2) Any person with angulars possession of the is in any way concerned in transporting, removing, depositing Account, concerning, solling on purchasing, in the any other menner shall with any excisable goods which has known or high respect to believe are liable to confinential moder Act or these rules shall be bable to penalty not excepting the duty on such goods or two thousand rupage whichever is greated.

On reading of above, it is apparent that the losse of portriant is not expected under white the (\*) of Rule 28, as he has not dealt won expected poeds in any markies whatspever. Fo has only made an inquiry and made an estimate of the goods.

indifficing sing  $q_{ij}$  and for a ponalty on any parson confer the above role is  $J_{ij}(t)$ Air fair Lethas erquired prossession of any excitable access with the knowledge of bottof that the goods are listile to on the allow up to the Ceptus Esgine Art or Bullek by he has been in any way concerned in transporting, removingdepositing, keeping, controlling, solling on purchasing or has in actual and sin accircult with any exclusion goods with end a knowledge on helief. According of proceession of goods is , noisputable, a physical act, and so is each of the vanous way of dealing with proces, specifically intertional in the rule. Their Hapterson to "90y of the markers is brould be understood in escondance with the principle of ejusping governs and would, than, mean larry other mode of onysically deating with the goods. This position has been re-regulated in Coninej. Doyce & Mig. Co (2002 (149) Littly 101 mg- 2002 (162) LiCR 770 (17.)) which bas open followed in A.M. Kulkami (2008 (55) Filt 573 (CEGAT-Muni 6). The decision in Rain Nath Singh (2003/151) E.S.T. 451 (Tri.- De.)] is also to the same effect. Any person in be penalized under the above rule should also be alman to here teen concerned in physically dealing with excisable goods with the Ancerbulus or Dehal that the aspets are Malde to sortiscation under the AcM-Mass. He should have done the act with more acc.

- 8. I obtain the trace of Appeal No.V2/203/EV/R/2017 the impugned order is noted 22.02.2017 & received on 28.02.2017 and the appeal has been fired on 28.03.2017 and in the base of Appeal No.V2/208/SVR/2017 the Impugned order a catco 22.02.2017 & received on 28.05.2017 and the papeal has been filed on 28.05.2017. Hence I find that both these appeals have been Ted in time.
- 6.1. If have gone through the incpugned orders, the grounds of appeal files by both the Appellants and Cast 8 written submission made by the authorized representative at the time of personal hearing in the case. The biter sate to be decided in those aguages is whicher insurance occurs, imposing the personal penulty of Rs. 14399/



each or the Appellant No.192, passed by the lower authority is correct, egal or otherwise.

- 7. Tobserve that is the grounds of appeal, the Appealants have entiretied that the affile cating authority did not turnshifte rolled upon documents on the basis of which penalties have been imposeed. The contention teased by the Appellants has close as in the case of appellants the rolled upon documents is their personal Diary in which they used to record the illegal hamsactions of the goods degree without duty and without proper Cenvat documents and the entires made in this diary have been complexisted from the entires made in the SNIp Steakers reports.
- 7.1. The Appellants in the grounds of appeal have such strait that merely a facilitiat two hornbers roing in a same house with their perents would not mean that they are it concluding their business together and that their business is one and the earner for imposing consity under Rule 26 of the Rules it has to be clearly speti but that may have played different roles independent of each other. I find that the point roised by the Appellants is tankong the highest in that been established beyond doubt that both these appellants were hand in glove in this solivities of dandes, he removal and haddlardy passing of Garwat Credit without physically supplying the goods in the name of firm M/s Shree Krishna Enterprises Dhavnagar, which was registered as coaler for the sole, purpose or passing on the traudulant Convertible invoices without physically transferring the goods.
- 7.2. The Appellar is all para 3 of their written attornisation dated 27 02.2018, pointed out that as per Para 6.6.2 & para 6.6.3 of Show Cause Natice it has been a leged that the Appellants are maintaining private records whereas in date 10.5 of the 80N this alleged that the Appellants are Brokers and deal with goods. As par Appellants version of presentation of the 6ost the peak them is not clear to its indication that Appellants were involved.
- 7.3. In Itia regard 1 find that the contention raised by the Appallants is absurd and baseless. The Show Gause Notice in para 0.6.2 & at para kt.f. Jus very clear regarding the mice pleyed by both the Appallants and the concluding bare No.10.5.01 SCN proposing imposition of penalty on both the Appallants are perfectly is sync or most of sther. The preceding parametricity in Show Cause Notice reads as unden-

The intolligence indicated that Birn vince Fatel and Stin Kishon. Polici fact that the control of the blatestyl flegal fraterations Encountries westerned such that their promises recent flegal frater during the promises recent flegal makes there are the promises recent flegal makes there are the promises recent flegal makes there are the promises recent flegal makes the promises are promises and the promises are the promises are the promises and the promises are the promises are the promises and the promises are the promises and the promises are the promises ar

A - Eng. 16 c 15

- Ħ. I find that it is a matter of record that before recording the statement of authorised person of the unit, at the evidences in the term of documents recovered. from the premises of the appellants, during the investigation, were placed before him. They have also seen Panchnama dated 30 09.2010 and the statements given by them and have been given full opportunity to peruse the same before giving lestimony about the truth and correctness entrept. At the time of recovering statement of the Appellants they were shown the Panchhama, validus statements given by  $lpha_{ ext{PS}}$ Angaulas etc. also. They were also shown annowing prepared on the basis of invoctigation conducted in respect of records seized from the appellants showing the details of the transactions carried out through the appollants by the tinn it has that from the documentary extremes vizilibelized (lary of the appellants and statements) of the engadias, it is proved that the unit had removed the goods clarecesticity forcugit the appollants and diverted them without payment of duty. These transactions are tallied with the records of the apostares, which are comberator. with the record of Angacias also, who have also admitted regarding transfer of cash. enternit. These are substantial religionees in the torm of coopinertary and dielevidences on record restance from the appellants in respect of the unit indulged in transaction with the appullants. I fine that the investigation has glearly corpororated writhis references as regards to the evesion of Central Excise only by the unit. Therefore, it is proved beyond doubt that the Diary markon as 7/3 seized from the Appellants No.182 is consisting ontry at page No.25829 regarding clearance of a ippresking materiale weigning 4880 Kps valuer at Rs.1.39,0007 involving Central exceed duty amounting to Re. 14,586/- has been removed plancestinely without issuance of invoice and without payment of appropriate Central Exerce duty payable. thereon. The records dearly show that the appellants have never filed any retraction. of their statement at any point of time. Therefore, all those evidences substantiate the charges against the appellante as valid, admissible and tegal in the eyes of law.
- 9. The Appetente in their willen submission have contended that they are nowhere concerned in preseponing, armoving depositing, keening, concealing, selling or purchasting, or in any other mariner that deals with, any excisacle goods which he knows or has masen to believe are liable to confiscation. The appellants have not dealt with excisable goods in any manner whatsoever. They have only injude and the purchaser.
- 10. In this regard, find that the argument of the Appellants that they were nowhere involved in the illicit removal of excisable gods or transacting brianess in goods which were liable for confederon is a blatant fet. The appellants are main conduits through whom the unit had cleared exclastile goods to respective toyers iffelily, on each basis to their different buyers, who are the normalis involved in cash

1

Page 15 of 15

(rangeritors in respect of amount receivable to the unit leither directly or through anyeoive, the appellants are the Individuals, who have given each amount to the respective ship breaking units, received from various buyers of the dandestinety removed godds, either directly or through angecies, the appellants have also received prokerage in pash from various parties including the unit for such dangering disastances, and diversion of the excisable giodes as the cose may be. During the course of investigation, it is revealed that such transpolitors were matrey done through angesties up modula of each amount from buyers against clarices increased of excisable goods and making cash payment to the unit.

- 40.1. If also observe It all the apparante have prepared the accounts for the said purpose indicating at such transactions. The Appellands tried to unished the investigation by falling that these transactions were distally of some inequiriary business entity or hypothetical figures and not of genuine canadations. The Appellant Not.2 did not disclose unique codes /abbreviated frames assigned to various parties in their powers records though maintained and updated by him Honce, the appellants have concerned their selves by way of apernent and facilitating the transactions accessed the huyors and selves thus in removing softing one mail such unlawful manners deal, with excisable goods on which appropriate amount of Central emissionary was not paid. Thus, they had the reasons to believe that such goods so encoved, were diable for confiscation under the provisions of the Act and the Raiss framed there to det. It is therefore observed that the appellants are fished to penal accounted Rule 2b (1) of the CER.
- Moreover, I find that the unit has issued throites in the names of some persons who only received the invoices without physical delivery of groots to avail Genva; credit and the unit diverted the goods covered under these invoices to other persons and for the said transactions involving contravention and violation of statutory provisions. And the appellants are the persons who abelied in handling such tragginarity as discussed in the SCN and in the impugned order in view of above, I find that the appellants were responsible for all the contraventions of rules and provisions as made out in the Act and rules framed therounder, as discussed above. By anting in this manner, the appellante have also rendered themselves have for penalty under secretice (2) of Rule 28 of the CER.
- 12. On comparison, I find that the facts in hand are distinguiet able from the epoclarity upon judgment intermed as the occurrents resumen/collector from the appoilants as well as staten ents of the appollants, Augustias which were never revacted. The investigation of DGCE revocated that the excisable years were alcohol stances noty and without payment of appropriate Central Escape duty. It is further evident that they

Page 12 of 15

arc the persons who did finance rolated works such as making follow up of payments against supplies made to various puyers, banking etc. appears to be chacky manifered and appropriate decisions and actions are taken by them. The sale proceeds in respect of dandestine removal and diversion of exclusion growth by the unit was being handled by them. The authorised person of the unit played viral role in over on at Central Exclassion by the unit by confisivening various provisions of the CEA and Rules framed there under and which resulted in clanicatine most at through the specifical time adjudicating authority has given his deer out findings in this behalf and since I will in agreement with the same, I don't find any reason of requirement to reproduce the same. The appellants have relied upon various judyments which are on the different feature although for and are not relevant in the facts and dreamstances of the present case and hence not applicable.

- 13. I and that all the documents and evidences collected by the DGCEI boyand doubt prove that the Appellants No.182 were the key persons engaged in clandestine residual of ship breaking material and illist transaction in cash flow through Angadas. Any of the appellants have not reliabled their statement. Therefore, the same is legal and valid in the cycls of law and bence the same can be considered as combinative evidence and no further evidence is required to prove their involvement. In this jegand, I would like to rely upon the following jungments:
  - NARESH J. SUKHAWANI 1986 (83) E.L.T. 253 (3.C.);
  - **2.** HAKESHIKUMAR GARGILI 2016 (331) F. (1321 HC-D4)
- **13.1.** The ratio of above case laws as well as discussion in cartes perse would be more applicable in the pleasant case particularly under the lacts and or complaintes of the case. In light of above facts, the olds of the appellants for not imposing penalty under Rule 26 ibid is not legally tenable, and hence, the same are liable to be rejected.
- 14. In the Instant case, from the documentary and oral evidence, it is established beyond coubt that the Appollants No.162 are involved in clandestine removal and fraudulent passing of Cenvet Credit without physically supplying the goods in the name of Mis. Shree Krishna Enterprises, Dhavriagan which has been registered as dealership "my with the sole purpose of passing on fraudulent Cenvet Credit on the basis of Convatable Invoices. The appollants were mainly purchasing S. S. Sarap clandestinely from Ship Sheekers and selling the earne to various costomers without payment of duty and wonorthary Invoice and subsequently producing invoices from various ship broakers without physically producing the goods so as its enable the happropurchaser to avail Cenval credit on the base of it.



- 14.1. On going through the various statements of specifical No. 182 and of other accomplises are in outside and even valid odey. Further they have econolic; how they abouted the unit in reason of Central Excise duty. These statements give words operand in petall. I find that the specifiers were only award of the total that what they were doing is absolutely illegal uncer the Act and GER and the quods they are dealing with are field to conflabation. They were fully award that Central Ecose duty on those excisable goods have not been paid, and therefore, the same are lable to conflabation. By acting in this manner, the appellant No. 182 have rance edithersolves liable for penalty under Rule 22(1) bid.
- 16. Rule 25 of the CER prescribes that "Vary person who accordes possession of, or is in any way concerned in transporting removing, depositing, keeping concealing, selling or purchasing, or in any other manner deals with any excisable goods which he knows or has reason to believe are liable to confiscation under the Art or those rules, shall be liable to a possibly not exceeding the daily on such goods or two thousands rupess whichever is greater". This seen that penalty under this rule is impossible as soon as excisable goods in respect of which offends is committed, and the person who has each such excisable goods, knew that the same are liable to confiscation. The highle to confiscation is the only requirement of Rule 26 when the offender has the knowledge. My view is also supported by the decision in the case of Sanjay Vinishhai Dears, [2014] (309) E.L.T. A131 (8.01) whereights Hell the Supreme Court has held as under:

The Cupital High Court is Na indespread order had hold that experient had bronchaige, of every stage of recording, because what year coupaging jug experience grants. On, even a few stage gauge monce was not propose perfection or goods, period; would be laidable as per Ruic 26 of Curious Excise Ruics, 2002. Also geal because also under by automity is one) when issued the culture had not order to the Period of Centre had not pure jugar.

16.1. Similar view is expressed in the judgment in the resolot Redbles Publis Pvt 100, [2013 (204) F.J.,T. 158 (T4. - Almert) at para 3 holding as under:

The short cause notice makes it clear that the pools were affording it notices and hitherface thirtie in continuation our arguments, whitevery have removed a hindred that pools we creating to nature. There is only a factorial amission in the curse that the has not specifically mentioned that these grows are taken to consider the there of the secure altegration in the show cause notice which hitheres the material of offices, we find us provide any transmission will be introduced to state of offices, and hidrens recorded by the original callulating outcomes is sufficiently to state in the show that the pools were taken in consequence and therefore, improvides of precisions.

16. In the facts and discumstances of the case, I beyonto take cognizance of the fact that the statements have also not been extracted by any of the appellance which

ласс 14 о<mark>1 1</mark>5

give pretence to the truthfulness of the existence on record. Hence, the contentions of the appellants that the Inforgree order of the adjuticating authority is passed on assumption and presumption and the adjudicating authority has exact in imposing penalty under Rule 26 of CER to not acceptable. In the SCN as well as the adjudicating authority has discussed at length regarding evidences and acts of the appoilant No 182 and accordingly imposed penalties as detailed in the imposed order.

- 17. Into pine of the appellants that they were having business independent of each office and were adding as incide man and not as a broker, does not hold ground in view of atcressibilitiscussion and trivillags and edin/Hance of breach of law by the corporated. The Appellants did not cooperate during investigation of the case and tried to misteral the investigation shows the stat bornsess of their victous mind in violating various provisions of the Act and rules framed the reunder. Therefore sooking to the facts, commissions of the Act and rules framed the rainder. Hold that the Appellants No.182 are ripble to pay penalty of Rs.14,3864 pach under Role (%) & 26 (%) of the CHR.
- 18. In view of above discussion and findings, I reject the appear field by the Appealants No.1&2 and upbo differ improposed order to the above extent



(Pranind A Vasave)
Commissioner (Appealsi)
Commissioner
GST & Central Exciss, Kulch

Τœ

1) Appellant No.\*

Shri Kishor Amarchibhai Patel,
Frep. M/s. Shree Krishad Enterprises,
Plet No.: 02, Escon Mega City
Coposile Victoria Park, Shavnagar | 034,002

 Appelant No.2.
 Shri Vined Amaranbhai Pate'. Plot No.102, Becch Mega Olfy, Opposite Victoria Park Bhavhagar – 584-002

#### Copy to-

- The Offici Commissioner GST & C.Ex. Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2. The Commissioner, GST & C.Ex. Dhavasagan.
- The Dy./Ass.: Commissioner, Control Excisio, Rural Division, Briannagar.
- The By./Assa. Commissioner (Sys.), (Control Excise Ing. Bhavnager, with a regress to upload the OW in the Departmental website.
- 5, The Superintendent, Central Expiser A.R. All, Marig, Gravnagar. ್ರೈತ್-Guard Fire.